

No. of Printed Pages : 6

**BHMCT-105**

**B. A. (HONS.) (PERFORMING ARTS)**

**HINDUSTANI MUSIC**

**(BAPFHHM)**

**Term-End Examination**

**December, 2024**

**BHMCT-105 : STUDY OF FORMS, TRADITIONS**

**AND INSTRUMENTS IN HINDUSTANI MUSIC**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Marks : 100*

---

**Note :** *All questions are compulsory.*

---

1. Write elaborate answers to any *four* of the following : 4×15=60
  - (a) Give an account of the evolution and development of Delhi Gharana.
  - (b) Give brief life sketches of any *two* established vocalists of Gwalior Gharana.
  - (c) Explain the interrelation of music and religion in your own words.
  - (d) Analyze the content of the treatise “Raga Darpan”.

**B-1392/BHMCT-105**

**P. T. O.**

- (e) Describe the *four* Dhatus and *six* Angas of Prabandha.
- (f) Give detailed account of evolution and development of Maihar Gharana.

2. Write short notes on any *five* of the following :

6×5=30

- (a) Describe the instrument Santoor.
- (b) Give a brief introduction to Pt. Lochan.
- (c) Delhi Gharana of Tabla.
- (d) The Gayaki of Gwalior Gharana.
- (e) Brief life sketch of Roshanara Begum.
- (f) Characteristics of Gharana tradition.
- (g) Evolution of string instruments.

3. Fill in the blanks with appropriate words :

1×10=10

- (a) Founder of the Maihar Gharana was ....., ....., .....
- (b) The first part of the treatise “Raga Darpan” is the translation of the medieval treatise ..... written in ‘Hindavi’.
- (c) Bharat Ratna Pt. Bhimsen Joshi belongs to the ..... Gharana.
- (d) Pt. Vishnu Digambar Paluskar belongs to ..... Gharana.

- (e) The Gayaki of Delhi Gharana is known as “.....”, ..... .
- (f) Rudra Veena comes under the category of ..... , ..... .
- (g) The author of the treatise ‘Hriday Kautak’ is ..... , ..... .
- (h) “Jhaptal” consists of ..... ‘Matras’.
- (i) Raag Khamaj is the ..... , ..... of Thaata Khamaj.
- (j) Chautal is used in the ..... style of singing.

**BHMCT-105**

बी. ए. ( ऑनर्स ) ( प्रदर्शन कला )

हिन्दुस्तानी संगीत

( बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच. )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एच.एम.सी.टी.-105 : हिन्दुस्तानी संगीत की गान

विधाएँ, वाद्यों और परम्पराओं का अध्ययन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

---

**नोट :** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर

दीजिए :

4×15=60

(क) दिल्ली घराने की उत्पत्ति और विकास का विस्तृत विवरण दीजिए।

(ख) ग्वालियर घराने के किन्हीं दो प्रतिष्ठित कलाकारों का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

**B-1392/BHMCT-105**

- (ग) धर्म और संगीत के अन्तर्सम्बन्ध को अपने शब्दों में समझाइए।
- (घ) “राग दर्पण” ग्रन्थ की सामग्री का विश्लेषण कीजिए।
- (ङ) प्रबन्ध के चार धातु और छः अंगों के सम्बन्ध में विस्तार से बताइये।
- (च) मैहर घराने की उत्पत्ति और विकास का विस्तृत विवरण दीजिए।
2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 6×5=30
- (क) संतूर वाद्य का वर्णन कीजिए।
- (ख) पं. लोचन का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
- (ग) तबले का दिल्ली घराना।
- (घ) ग्वालियर घराने की गायकी।
- (ङ) रौशनारा बेगम का संक्षिप्त परिचय।
- (च) घराना परंपरा की विशेषताएँ।
- (छ) तत् वाद्यों की उत्पत्ति।
3. निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान उपयुक्त शब्दों से भरिए : 1×10=10
- (क) मैहर घराने के संस्थापक उस्ताद .....,  
..... थे।

- (ख) “राग दर्पण” के प्रथम भाग में हिन्दवी ग्रन्थ ..... का अनुवाद है।
- (ग) भारत रत्न पं. भीमसेन जोशी ..... घराने के कलाकार हैं।
- (घ) पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर ..... घराने से सम्बद्ध हैं।
- (ङ) दिल्ली घराने की गायकी को ‘.....’, .....’ की गायकी कहा जाता है।
- (च) रुद्र ..... वीणा ..... , ..... वीणा के वर्ग में आता है।
- (छ) ‘हृदय कौतुक’ ग्रन्थ के लेखक ..... , ..... हैं।
- (ज) झपताल ..... मात्रा का ताल है।
- (झ) राग खमाज, खमाज थाट का ..... , ..... राग है।
- (ञ) चौताल का प्रयोग ..... गायन में किया जाता है।

× × × × × × ×